

हिन्दी विभाग

बाल दिवस : 14 नवम्बर 2024

दिनांक 14 नवम्बर 2024 को हिंदी विभाग खरासेया में छात्रों का सम्मान करते हुए बाल दिवस मनाया गया। विभाग प्रमुख डॉक्टर रमेश टंडन ने बाल दिवस को यादगार और अद्वितीय तरीके से एक उत्सव के रूप में मनाने की योजना बनाई तथा इसे मूठे रूप देते हुए बेहतरीन ढंग से सजावट किए हुए अध्ययन कक्ष में स्वयं एवं इनके सहयोगी शिक्षक कुसुम चौहान, अजना शास्त्री और डॉक्टर डायमंड साहू ने उपस्थित सभी छात्र छात्राओं का सम्मान करते हुए तुलसी पत्रों से जल आचमन किया, रोली बदन पीला चावल से माथे पर तिलक लगाया और उज्ज्वल भावों को कामना करते हुए लेखनी भेट की। सभी छात्रों ने अपने घर से माया स्वयं के हाथों से बने छत्तीसगढ़ी पाक कला से युक्त विविध प्रकार के खाद्य पदार्थ जैसे अड़रसा, ठठरी, खुरमी, नमकीन, नमकीन कटनी, मीठा कटनी, खीर, गुड़ साहारा, पांगो लाए और इस आपस में साझा करते हुए सभी ने एक साथ खाने का आनंद लिया। विभाग की तरफ से राजभोग, बड़ी जलेबी और केक खिलाया गया। सभी छात्रों ने एक दूसरे के माथे पर विविध रंगों से तिलक लगाते हुए बाल दिवस को बधाइयाँ दीं। शिक्षक चतुष्टय ने भी सभी छात्रों को बाल दिवस की शुभकामनाएँ दीं।

राहुल दास, धनेश्वरी लहरे, श्रेया सागर, बुबुन घृतलहरे, विवेक साहू, विनायक पटेल, जीतू जोशी, प्रीति राठिया, सुनिता राठिया, नमदा राठिया, अजली सिंदार, जय प्रकाश, चन्द्रकान्ति, चम्पा सिंदार, पुष्पेन्द्र राठिया, उषा चौहान, आकाक्षा राठौर, गुलापी राठिया, टिकेश्वरी गुप्ता, डीलेश्वरी साहू, दुर्गाश पटेल, राजकुमारी सिंदार, तोष कुमारी साहू, निशा सिंदार, कुती सिंदार, नरेन्द्र कुमार, अन्नपूर्णा जायसवाल, पायल जायसवाल, गज बाई भारद्वाज, सलोम राठिया, धनराज चद्रा, पुष्पा नागवशी आदि ने सादगी पूर्ण आयोजित इस उत्सव का आनंद उठाया। पहली बार बाल दिवस मनाए जाने पर छात्रों में काफी उत्साह और उमंग देखने को मिला। आयोजन के लिए छात्रों ने अपने शिक्षकों के प्रति अत्यंत उदार भाव से आदरपूर्वक आभार व्यक्त किया।







हिंदी विभाग में प्रथम बार बाल दिवस, शिक्षकों के द्वारा बंदन, पीला चावल से माथे पर तिलक लगाने से छात्र हुए गदगद

रायगढ़@किरणदत्त

14 नवम्बर 2024 को हिंदी विभाग खरसिया में छात्रों का सम्मान करते हुए बाल दिवस मनाया गया। विभाग प्रमुख डॉक्टर रमेश टंडन ने बाल दिवस को यादगार और अद्वितीय तरीके से एक उत्सव के रूप में मनाने की योजना बनाई तथा इसे मूर्त रूप देते हुए बेहतरीन ढंग से सजावट किए हुए अध्ययन कक्ष में स्वयं एवं इनके सहयोगी शिक्षक कुसुम चौहान, अंजना शास्त्री और डॉक्टर डायमंड साहू ने उपस्थित सभी छात्र छात्राओं का सम्मान करते हुए तुलसी पत्र से जल आचमन कर, ऐली बंदन पीला चावल से माथे पर तिलक लगाया और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए लेखनी शेंट की। सभी छात्रों ने अपने घर से माँ या स्वयं के हाथों से बने हुए छत्तीसगढ़ी पाक कला से युक्त विविध प्रकार के खाद्य पदार्थ जैसे अदरसा, ठेठरी, खुरसी, नमकीन, नमकीन कटनी, मीठा कटनी, खीर, गुड़ सोहरी, पोगी लाए और इसे आपस में साझा करते हुए सभी ने एक साथ खाने का आनंद लिया। विभाग की तरफ से राजपोग, बड़ी जलेबी और केक खिलाया गया। सभी छात्रों ने एक दुसरे के माथे पर विविध रंगों से तिलक लगाते हुए बाल दिवस की बधाईयाँ दी। शिक्षक चतुष्टय ने भी सभी छात्रों को बाल दिवस की शुभकामनाएँ दी।

राहुल दास, धनेश्वरी लहरे, श्रेया सागर, लुबुन भुवनेश्वरी, विवेक साहू, विनायक पटेल, जीतू जोशी, प्रीति राठिया, सुनिता राठिया, नर्मदा राठिया, अंजली सिदार, जय प्रकाश, चन्द्रकान्ति, चम्पा सिदार, पुष्पेन्द्र राठिया, उषा चौहान, आकांक्षा राठौर, गुलाबी राठिया, टिकेश्वरी गुप्ता, खेलेश्वरी साहू, दुर्गेश पटेल, राजकुमारी सिदार, तोष कुमारी साहू, निशा सिदार, कुंती सिदार, नरेन्द्र कुमार, अन्नपूर्णा जायसवाल, पायल जायसवाल, गज बाई भारद्वाज, सलीम राठिया, धनराज चंद्रा, पुष्पा नागवंशी आदि ने सादगी पूर्ण आयोजित इस उत्सव का आनंद उठाया।



पहली बार बाल दिवस मनाए जाने पर छात्रों में काफी उत्साह और उमंग देखने को मिला। आयोजन के लिए छात्रों ने अपने शिक्षकों के प्रति अत्यंत उदार भाव से आदरपूर्वक आभार व्यक्त किया।

हिंदी विभाग में प्रथम बार बाल दिवस मनाया गया

खरसिया । 14 नवम्बर को हिंदी विभाग खरसिया में छात्रों का सम्मान करते हुए बाल दिवस मनाया गया। विभाग प्रमुख डॉक्टर रमेश टंडन ने बाल दिवस को यादगार और अद्वितीय तरीके से एक उत्सव के रूप में मनाने की योजना बनाई तथा इसे मूर्त रूप देते हुए बेहतरीन



ढंग से सजावट किए हुए अध्ययन कक्ष में स्वयं एवं इनके सहयोगी शिक्षक कुसुम चौहान, अंजना शास्त्री और डॉक्टर डायमंड साहू ने उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं का सम्मान करते हुए तुलसी पर्ण से जल आचमन कर, रोली वंदन पीला चावल से माथे पर तिलक लगाया और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए लेखनी भेंट की।

सभी छात्रों ने अपने घर से मां या स्वयं के हाथों से बने हुए छत्तीसगढ़ी पाक कला से युक्त विविध प्रकार के खाद्य पदार्थ जैसे अईरसा, ठेठरी, खुरमी, नमकीन, नमकीन कटनी, मीठ कटनी, खीर, गुड़ सोंहारी, पोंगी लाए और इसे आपस में साझा करते हुए सभी ने एक साथ खाने का आनंद लिया। विभाग की तरफ से राजभोग, बड़ी जलेबी और केक खिलाया गया। सभी छात्रों ने एक दूसरे के माथे पर विविध रंगों से तिलक लगाते हुए बाल दिवस की बधाईयां दी।

शिक्षक चतुष्टय ने भी सभी छात्रों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दी। राहुल दास, धनेश्वरी लहरे, श्रेया सागर, बुबुन घृतलहरे, विवेक साहू, विनायक पटेल, जीतू जोशी, प्रीति राठिया, सुनिता राठिया, नर्मदा राठिया, अंजली सिदार, जय प्रकाश, चन्द्रकान्ति, चम्पा सिदार, पुष्पेन्द्र राठिया, उषा चौहान, आकांक्षा राठौर, गुलापी राठिया, टिकेश्वरी गुप्ता, डिलेश्वरी साहू, दुर्गेश पटेल, राजकुमारी सिदार, तोष कुमारी साहू, निशा सिदार, कुंती सिदार, नरेन्द्र कुमार, अन्नपूर्णा जायसवाल, पायल जायसवाल, गज बाई भारद्वाज, सलीम राठिया, धनराज चंद्रा, पुष्पा नागवंशी आदि ने सादगीपूर्ण आयोजित इस उत्सव का आनंद उठाया। पहली बार बाल दिवस मनाए जाने पर छात्रों में काफी उत्साह और उमंग देखने को मिला। आयोजन के लिए छात्रों ने अपने शिक्षकों के प्रति अत्यंत उदार भाव से आदरपूर्वक आभार व्यक्त किया।